म्हारा हरियाणा, सक्षम हरियाणा

CREATIVE ANDCRITICAL THINKING
REFERENCE & PRACTICE
MATERIAL

Hindi, Class-9

(मेरे बचपन के दिन व मेघ आए पाठाधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान 1 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

पवित्रा यादव मुक्केबाज खिलाड़ी का जन्म गांव कोसली सैनिकों की भूमि पर साधारण से परिवार में हुआ । पवित्रा ने अपना बचपन कोसली की मातृभूमि पर बिताया ।बचपन में ही अनेक कठिनाइयों को सहन करके अपनी पढ़ाई कोसली के सरकारी स्कूल से पूरी की । प्रारंभ से ही उसकी खेल में रुचि थी और अध्यापकों के मार्गदर्शन से पवित्रा श्रेष्ठ मुक्केबाज बन गई ।आगे चलकर पवित्रा ने 18 वे एशियाई खेलों में 60 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा के पहले दौर का मुकाबला पाकिस्तान की प्रवीण रूखसाना से होना तय हुआ ।जब दोनों का मुकाबला प्रारंभ हुआ ,उस समय पवित्रा की मां टीवी के सामने बैठकर अपनी बेटी की जीत के लिए दुआ मांग रही थी और उसके बचपन को याद कर रही थी ।पवित्रा की मां को याद आया कि पवित्रा को बचपन में गुड व धी खाना बहुत पसंद था ।जब भी वह खेल कर घर आती थी तो अपनी मां से गुड व घी लेकर जरूर खाती थी ।इसलिए उसकी मां सोच रही थी कि उसकी बेटी के पंच के सामने पाकिस्तान खिलाड़ी नहीं टिक पाएगी और देखते ही देखते पवित्रा यादव ने पाकिस्तान खिलाड़ी को मात दे दी । उसने पाकिस्तान खिलाड़ी को हराकर अपने देश का नाम रोशन कर दिया और वह देशवासियों की सिर का सरताज बन गई।

प्रश्न 1 कोसली गांव की प्रसिद्धि का क्या कारण है ?

प्रश्न 2 पवित्रा की मां के अनुसार उसे क्या पसंद था ?

प्रश्न 3 पवित्रा का पहला मुकाबला किसके साथ हुआ ?

प्रश्न 4 देशवासियों की खुशी का क्या कारण था ?

प्रश्न 5 किसी दुकानदार ने 50 किलोग्राम गुड रूपये 40 प्रति किलोग्राम के हिसाब से खरीदा। दुकानदार का 10% गुड़ बारिश में खराब हो गया उसे कितने रुपए की हानि हुई?

- **डॉ. सुरेन्द्र कुमार प्रवक्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोसली नाहड़ (रेवाड़ी)**

प्रतिमान 2 - (मेरे बचपन के दिन आधारित स्वरचित गद्यांश)

आज के इस आधुनिक युग में यह बात सर्वमान्य है कि स्त्री को भी उतना ही शिक्षित होना चाहिए जितना पुरुष को। जिस प्रकार शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है। उसी प्रकार मानसिक विकास के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है। यदि नारी शिक्षित नहीं होगी तो वह न तो एक अच्छी गृहिणी बन सकेगी और न ही एक कुशल माता।अगर एक मां ही अनपढ़ होगी तो वह अपने बच्चों का सही मार्गदर्शन नहीं कर सकेगी और न ही वह उनका मानसिक विकास कर पाएगी। एक शिक्षित नारी ही स्वस्थ समाज के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए स्त्री शिक्षा बहुत जरूरी है। अतः यह कहा जा सकता है कि शिक्षित नारी ही भविष्य में निराशा और शोषण के अंधकार से निकलकर परिवार को सही रास्ता दिखा सकती है। आज के इस आधुनिक युग में स्त्री शिक्षा को बड़ा महत्व दिया जाता है लेकिन प्राचीन काल में भारतीय समाज में लड़कियों की दशा अच्छी नहीं थी।लड़कियों को परिवार पर बोझ समझा जाता था और ज्यादातर लड़कियों को जन्म के समय मार दिया जाता था। लड़की के जन्म पर सारे घर में दुख का वातावरण छा जाता था इसके विपरीत लड़के के जन्म पर बड़ी खुशियां मनाई जाती थी। लड़कियों की शिक्षा पर भी ध्यान नहीं दिया जाता था लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है।आज के इस युग में लड़कियों के जन्म और उनकी शिक्षा के प्रति समाज का दृष्टिकोण बहुत ही सकारात्मक हो गया है। आज लड़के लड़कियों में भेदभाव समाप्त होता जा रहा है।दोनों को समान शिक्षा दी जाती है तथा समान परवरिश की जाती है। लेकिन अभी भी लड़कियों के प्रति समाज का दृष्टिकोण पूर्णतया नहीं बदला है। कन्या भ्रूण हत्या इसका प्रमाण है। जो समाज के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। जिसके कारण लड़के लड़कियों के अनुपात में अंतर आता जा रहा है और समाज में अनेक बुराइयों उत्पन्न होने का भय बनता जा रहा है। हमारी सरकार कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए भरसक प्रयास कर रही है। कन्या भ्रूण हत्या को दंडनीय अपराध भी बना दिया गया है।

एक स्वस्थ और उन्नत समाज के निर्माण के लिए हमारी सरकार बालिका शिक्षा , स्त्री शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। जिसके सकारात्मक परिणाम हमें मिल रहे हैं। लड़कियां शिक्षित होकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

प्रश्न 1 एक शिक्षित मां ही अपने बच्चों का सही मार्गदर्शन और मानसिक विकास कर सकती है? 30 से 35 शब्दों में उत्तर दीजिए?

प्रश्न 2 लैंगिक असमानता से आप क्या समझते हैं? 35 से 40 में उत्तर दीजिए?

प्रश्न 3 कल्पना चावला के बारे में आप क्या जानते हैं? 35 से 40 शब्दों में उत्तर दीजिए?

प्रश्न 4 यदि किसी गाँव में लडकियों की जन्म दर लड़कों की अपेक्षा 10% कम है,यदि किसी वर्ष वहाँ 750 लड़कों ने जन्म लिया हो तो उस वर्ष कितनी लड़कियों ने जन्म लिया ?

प्रश्न 5 एक N.G.O अनाथ एवं गरीब बच्चों की शिक्षा और पालन पोषण पर 1 वर्ष में 8,64000 रूपए खर्च करता है। तो 26 दिन में N.G.O के कितने रुपए खर्च होंगे?

- दलबीर सिंह, हिन्दी अध्यापक, रा. मा. वि. गाजीपुर गोपालपुर, जाटुसाना, रेवाड़ी

प्रतिमान 3 - (मेरे बचपन के दिन आधारित स्वरचित गद्यांश)

केंद्रीय विश्विद्यालय का सभागार।पी .एच.डी.के दीक्षांत समारोह में मंच से नीरजा प्रसाद के नाम की घोषणा की जाती है ,तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा सभागार गूंज उठता है।गाउन में नीरजा प्रसाद मंच पर आकर उपाधि ग्रहण करती है ,अब नीरजा डॉक्टर नीरजा प्रसाद बन गई थी।समय जैसे पंख लगाकर उड़ने को तैयार रहता है।अभी तो चार साल की नीरजा स्कूल जाने लगी थी।नर्सरी के तीन साल घर के पास वाले स्कूल में पूरा करने के बाद शहर के सबसे अच्छे स्कूल में पहली क्लास में उसका दाखिला होता है।स्कूल के नए माहौल में नीरजा खुद को ढाल नहीं पाती और उसके मन में स्कूल के प्रति डर बैठ जाता है।रोज़ उसकी कोशिश रहती कि किसी तरह से स्कूल जाने से बच सके,कभी पेट दर्द का बहाना ,कभी सिरदर्द,कभी कुछ-कभी कुछ।माँ प्यार से समझाती तो पिता डांट भी लगाते।पर पूरे साल नीरजा का यही ड्रामा चलता रहा ,सबको लगने लगा कि नीरजा पढ़ने -लिखने वाली नहीं है।आज वही नीरजा पूरे खानदान में पहली पी .एच.डी धारक थी।नीरजा जब पांचवीं कक्षा में थी तब उसके ताऊजी ने कहा था ,"नीरजा जब तक तुम कक्षा में प्रथम नहीं आ जाती तब तक मैं यह मानने को तैयार नहीं कि तुम सच में पढ़ाई में होशियार हो। "औसत दर्जे की नीरजा के बाल मन पर यह बात एक चुनौती के रूप में अंकित हो गई और वह खूब मन लगाकर पढ़ने लगी।पहली बार वह कक्षा में पांचवें नंबर पर आई।उसके खुशी का ठिकाना नहीं था ,पर उसे तो पहले स्थान पर आना था।उसने पहले से भी ज्यादा मेहनत करनी शुरू कर दी।पर पांचवीं के फाइनल एग्जाम में पूरी कक्षा में उसका दूसरा स्थान रहा।अब नीरजा को लगने लगा था ,शायद वह प्रथम न आ पाए।पर उसने मेहनत करनी नहीं छोड़ी ,अब उसने सोचना छोड़ दिया था,बस खूब मन लगाकर पढ़ाई कर रही थी।छठी कक्षा के फाइनल एग्जाम के रिजल्ट का दिन था ,सभी बच्चे अपने परिणाम को जानने के लिए उत्सुक थे।नीरजा प्रसाद 99%अंक के साथ छठी के तीनों सेक्शन में प्रथम स्थान प्राप्त करती है।आखिर नीरजा ने कर दिखाया था ,वह दिन है और आज का दिन है नीरजा ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।बच्चों की गैंग लीडर बनकर घूमने वाली नीरजा अब कहानी और कविताएं लिखने लगी थी।आसपास के बड़े

और बच्चे सभी उससे भाषण और निबंध लिखवा कर ले जाते थे। स्नातकोत्तर में अखिल भारतीय साहित्य परिषद राजस्थान की ओर से नीरजा को युवा साहित्यकार का सम्मान मिलता है।नीरजा मंच से अपना ललित निबंध "मेरे जीवन का स्वप्न "पढ़कर सुनाती है।जब सम्मानित करने की बारी आती है तो मुख्य अतिथि नीरजा के बारे में कहते हैं कि"कुछ लोग अच्छा लिखते हैं ,कुछ लोग अच्छा बोलते हैं ,पर बहुत कम लोग ऐसे हैं जो अच्छा लिखने के साथ अच्छा बोलते भी हैं ,नीरजा उनमें से ही एक है। "बाल्यावस्था ट्रांसफॉर्मेशन की अवस्था है ,चंचलता,अल्हड़पन,संवेदनशीलता,जिद और जुनून से गुजरता हुआ।जो इनके सकारात्मक पहलू को पकड़ लेता है ,वह कामयाब हो जाता है।इसलिए तो दुनिया कहती है जो जीता वही सिकंदर।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें-

1-बचपन की अवस्था निर्माण की अवस्था है ,पूरे जीवन की आधारशिला ,क्या आप इस बात से सहमत हैं,विचार प्रकट करें।

2-बचपन की कोई ऐसी घटना जिसने आपकी सोचने की दशा और दिशा दोनों बदल दी हो,अपने अनुभव साझा करें।

3-आपको अपनी कौन सी बात सबसे अच्छी लगती है और क्यों?

4-शिक्षकों और छात्रों को मिलाकर कुल 1200 व्यक्तियों का एक समूह एक रेल यात्रा कर रहा है।यदि प्रत्येक 15 बच्चों पर एक शिक्षक है तो उस समूह में शिक्षकों की संख्या कितनी है-

क)70, ख)75, ग)80, घ)85

5-अंजू को किसी परीक्षा में 20% अंक मिले और वह 24 अंको से अनुत्तीर्ण हो गई तथा संजू को 45% अंक मिले और वह 26 अंकों से उत्तीर्ण हो गई तो परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कितने अंकों की आवश्यकता है-

क)62 ख) 64 ग)66 घ)68

- डॉ सोनी प्रसाद, प्रवक्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना सीटी , सोनीपत।

प्रतिमान 4 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

'बचपन' सिर्फ एक शब्द ही नहीं, बल्कि ऐसे कई कोरे पन्नों को रंग-बिरंगी यादों के साथ एक बस्ते में सजाये रखने का नाम है । मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि बचपन शब्द को सुनते ही हमारे चेहरे पर एक मीठी सी मुस्कान आ जाती है । मन यादों से भीग जाता है । जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा होता है 'बचपन'। बच्चों को न कोई चिंता होती है ना कोई फ़िक्र । बच्चे खेलने-कूदने व खाने-पीने में मस्त रहते हैं । हर बच्चे ने बचपन में शरारत की होती है । क्योंकि बचपन का दूसरा नाम 'नटखट' ही तो होता है । बच्चों की प्रथम पाठशाला उसका अपना घर और माता-पिता उसके उसके गुरु होते हैं ।

हर किसी को अपना बचपन याद आता है । कुछ ऐसी सुखद यादों का वर्णन लेखिका ने इस अध्याय में किया है । साथ ही साथ उस समय के भाईचारा व नारी स्थिति को भी दर्शाता है । प्राचीन काल में लड़कियों की स्थिति अच्छी मानी गई लेकिन मध्यकाल में स्थिति चिंताजनक बन गई । उन्हें शिक्षा का अधिकार, अपनी बात रखने का अधिकार नहीं था । दहेज प्रथा, बाल विवाह और सती प्रथा जैसी अनेक समस्याएं उनके सामने थी । कुछ समस्याएं तो आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं । दहेज प्रथा जैसी समस्या के कारण कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीति का जन्म हुआ । लेकिन पहले की तुलना में लड़कियों की स्थिति में काफी सुधार आया है ।

आज लड़कियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है । देश व समाज की सोच आज बदल रही है । हम देखें तो कुछ वर्षों से बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियों की अपार सफलता इसका उदाहरण है । कल्पना चावला, गीता फोगाट और सुनीता विलियम के रूप में उभरकर सामने आ रही है । हमें बचपन में बच्चों को यह सिखाना चाहिये कि लड़का लड़की एक समान है ।

प्रश्न 1. लड़की के घरवालों की तरफ से उनके विवाह पर बहुत सारा सामान व पैसे देने की प्रथा क्या कहलाती है ?

1. दहेज प्रथा
2. सती प्रथा
3. बाल विवाह
4. बहू प्रथा

प्रश्न 2. "बचपन मधुर यादों का खजाना है " । आप इस बात से कहाँ तक सहमत है । उत्तर दीजिये ।

प्रश्न 3. बचपन का दूसरा नाम क्या दिया जाता है

1. थिथिल
2. नटखट
3. कठोर
4. समझदार

प्रश्न 4. यदि किसी परिवार के 4 सदस्यों की औसत आयु 26 वर्ष हो जिनमें मातापिता की औसत आयु 55 वर्ष हो तो अन्य दो सदस्यों की औसत आयु क्या होगी ?

प्रश्न 5. भारतीय संविधान के अनुसार लड़की के मतदान आयु कितनी है ?

1. 20 वर्ष
2. 21 वर्ष
3. 18 वर्ष
4. 25 वर्ष

- डॉ. पूनम रानी, प्रवक्ता, ब्लाक तावडू , नुहँ ।

प्रतिमान 5 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

नई सोच के साथ यदि संकल्प भी हो तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। हिंदी साहित्य में महादेवी वर्मा एक ऐसा नाम है जिन्होंने न केवल सामाजिक मिथकों को तोडा अपितु नवीन राह का निर्माण भी किया। 'झांसी की रानी' कविता लिखने वाली सुभद्रा कुमारी चौहान से प्रेरणा लेने वाली महादेवी वर्मा पीढियों के लिए प्रेरणा बन गई। मीराबाई के बाद शायद महादेवी वर्मा ही नारी सशक्तीकरण की वाहक बनीं। उनकी आधुनिक सोच उनके साहित्य में झलकती है। उनके जमाने में जब नारी चूल्हे–चौके से बाहर सोच भी नहीं सकती थी तो उन्होंने समाज की परवाह किए बगैर नारी–स्वातंत्र्य का उदाहरण प्रस्तुत किया। महादेवी वर्मा कहती है कि मैं अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लडकी थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लडकियो को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। भारत में महिलाओं की स्थिति आज भी संतोषजनक नहीं कही जा सकती। एक सर्वे के अनुसार 50 प्रतिशत महिलाएँ घरेलू हिंसा का शिकार हैं। लडकियों की कम संख्या के लिए बदनाम हरियाणा और पंजाब मे 'लडकी बचाओ लडकी पढाओ' अभियान से लिंगानुपात कुछ बेहतर हो रहा है।

क. महादेवी को लेखन की प्रेरणा कैसे मिली?

ख. परमधाम भेजने का क्या अर्थ है?

ग. एक लडकी की शिक्षा का खर्च लडके की शिक्षा के खर्च का 30 प्रतिशत है। यदि किसी परिवार की आय 7000 रूपए प्रतिमाह है जिसमें से 4500 रूपए लडके की शिक्षा पर खर्च होते हैं तो बताओ लडकी की शिक्षा पर कितने रूपए खर्च हुए?

अ) 2100 ब) 2400 स) 1760 द) 1350

घ. एक महिला अपनी कुल आयु 85 वर्ष का 85 प्रतिशत जीवन पिता और पति के परिवार की सेवा में लगा देती है तो बताओ उसने कितने वर्ष सेवा में लगाए?

अ) 64.45 ब) 68.25 स) 72.25 द) 74.55

ड. लडकियों की शिक्षा को बढावा देने के लिए क्या करना चाहिए?

- अनिल कुमार, प्रवक्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कामानिया, नंगल चौधरी, महेन्द्रगढ़।

प्रतिमान 6 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

बचपन के दिन किसी भी व्यक्ति के जीवन में बड़े महत्वपूर्ण दिन होते हैं | बचपन में सभी चिंता मुक्त जीवन जीते हैं| खेलने कूदने ,खाने पीने में बड़ा आनंद आता है| माता-पिता, दादा-दादी तथा अन्य बड़े लोगों का प्यार और दुलार बड़ा अच्छा लगता है | हम उम्र बच्चों के साथ खेलना कूदना परिवार के लोगों के साथ घूमना - फिरना यही प्रमुख काम होते हैं |मुझे अपने बाल्यकाल की बहुत सी बातें याद है | इनमें से कुछ प्रिय तो कुछ अप्रिय है |मेरे बचपन का अधिकतर समय गांव में बीता है | गांव की पाठशाला में बस एक ही शिक्षक थे| वे पाठ याद न करने पर बच्चों को कई तरह से दंड देते थे| मुझे भी उन्होंने एक दिन कक्षा में आधे घंटे तक एक पैर पर खड़ा रहने का दंड दिया था| उस समय मुझे बहुत रोना आ रहा था| जबकि मेरे साथी मुझे देखकर बार-बार हंस रहे थे| छुट्टी के दिनों में दिनभर गुल्ली -डंडा खेलना, दोस्तों के साथ धमाचौकड़ी मचाना, ईंट आदि फेंककर कच्चे आम तोड़ना मेरे प्रिय कार्य थे| इन कार्यों में कभी-कभी चोट लग जाती थी| फिर घर में पिताजी की डांट पड़ती थी | किसी दिन खेत में जाकर कच्चे झाड़ उखाड़ लेता तो किसान की त्योरी चढ जाती थी |वह फटकार कर दौ ड़ाने लगता था| कभी किसी के ग न्ने तोड़ लेना तो कभी खेतों में से मटर के पौधे उखाड़ लेना न जाने इन कार्यों में क्यों बड़ा मजा आता था |एक बार मैं अपने मित्र के साथ गांव के तालाब में नहाने गया| उस समय वहां कोई नहीं था| मुझे तैरना नहीं आता था |नहाते नहाते अचानक मैं तालाब में थोड़ा नीचे चला गया पानी मेरे सिर के ऊपर आ गया| मैं घबरा गया |सांस लेने की चेष्टा में कई घूंट पानी पी गया| शीघ्र ही मेरे मित्र ने मुझे सहारा देकर बाहर खींचा| इस तरह मैं बाल-बाल बचा| इस घटना का प्रभाव यह पड़ा की इसके बाद मैं कभी भी तालाब में नहाने नहीं गया| यही कारण है कि अब तक मुझे तैरना नहीं आता है |बचपन की एक अन्य घटना मुझे अभी तक याद है |उन दिनों मेरी चौथी कक्षा की वार्षिक परीक्षा चल रही थी |हिन्दी की परीक्षा में हाथी पर

निबंध लिखने का प्रश्न आया था | निबंध लिखने के क्रम में मैंने “चल- चल मेरे हाथी” वाले फिल्मी गीत की चार पंक्तियां लिख दी |इसकी चर्चा पूरे विद्यालय में हुई |इस तरह बचपन की स्मृतियां ऐसी हैं जो भुलाए नहीं भूल सकता | इन मधुर स्मृतियों के कारण ही फिर से 5 -7वर्ष का बालक बनने की इच्छा होती है परंतु बचपन में किसी को पता ही कहाँ चलता है कि यह उसके जीवन के सबसे सुनहरे दिन हैं |

प्र नं 1 लेखक बचपन में कैसा जीवन जीता था? 30-40 शब्दों में लिखिए

प्र नं 2 “झाड” शब्द का अर्थ बताइए?

प्र नं 3 लेखक बचपन में क्या-क्या शरारते करता था?

प्र नं 4 तालाब में नहाते हुए लेखक के साथ क्या घटित हुआ ?इस घटना से लेखक ने क्या सबक लिया?

प्र नं 5 एक घंटे में 60 मिनट होती हैं तो पौने 5 घंटे में कितने मिनट होंगी ?

- **मनीता , प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना, रोहतक**

प्रतिमान 7 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

बचपन, जवानी और बुढ़ापा जीवन के प्रमुख पड़ाव हैं | बचपन में बेफिक्री का आलम होता है | जवानी जोश के पंख लगाकर जाने कब उड़ जाती है, पता ही नहीं चलता | बुढ़ापा बीमारियों की मार से कहराता रहता है | कहते है कि जो बीत गई सो बात गई, मगर बचपन न जाने क्यों हमेशा भीतर में ही रहता है | जवानी में बचपन के किस्से और बुढ़ापे में तीसरी पीढ़ी की अठखेलियों में वो सदा ही मौजूद रहता है | एक पुस्तक में विख्यात लेखिका महादेवी वर्मा की रचना मेरे बचपन के दिन पढ़ते पढ़ते अनायास ही मेरा बचपन भी मेरे सामने खड़ा हो गया और मुझसे कहने लगा कि चलो आज फिर तुम्हें उन्हीं मस्तियों से रूबरू करवाएं जो कहीं पीछे छोड़ आये हो |

संयुक्त परिवार के सात बाल सदस्यों में मेरा छटा स्थान था | यानि मुझसे छोटा कोई और भी था और उस समय बड़प्पन का ये अहसाह कितना सुकून देता था बयां कर पाना कठिन है | परिवार के सिरमौर हमारे दादा जी, पूरे कुनबे पर उनकी हुकूमत चलती थी | हम अक्सर उन्हें बैठक में हुक्का गुडगुडाते देखते थे | उनके साथ गाँव के और भी कई भद्रजन बैठे रहते थे | उस वख्त हम उनसे कुछ दूरी ही बनाये रखते थे इसलिए नहीं कि उनके वार्तालाप में बाधा न पड़े बल्कि इसलिए कि हमें उनका हुक्का न भरना पड़े | हम तो बच जाते थे मगर बड़े भैय्या को इससे कोई छूट नहीं थी | हमारे पास होते हुए भी कई बार दादाजी आवाज देकर उन्हें ही बुलाते थे और हुक्का भरने की लिए कहते थे | गाँव में पानी की किल्लत ही रहती थी | सिंचाई के लिए एक छोटा सा नाला था जिसमे कभी कभार पानी आता था | जब पानी आता था तो भरी दोपहरी में भी हम सब भाई वहां नहाने जाते थे | माँ, चाची, ताई वहां कपडे धोने के लिए ले जाती और वहीँ रेत पर सुखा देती थी | अजीब सा लगता था कि जब रेत में ही डालने हैं तो फिर धोये ही क्यों थे ? खैर हम सब धमाचौकड़ी मचाते रहते थे और वो सब अपने काम लगी रहती थी | एक दिन दादाजी ने कहा कि चलो जोहड़ पर भैंसों को पानी पिला कर लाते हैं | मैं बड़ा खुश हुआ, ख़ुशी ख़ुशी डंडा लेकर भैंसों को हांकता हुआ गाँव के जोहड़ पर चला गया | मगर मेरे साथ धोखा हो गया, भैंसे पानी पीने के बजाय जोहड़ में घुस कर नहाने लगी | दादाजी अपनी मित्रमंडली के गुफ्तगू करने लगे और मुझसे बोले कि भैंसों का ध्यान रखना | जोहड़ में तो भैंसे ही भैंसे थी और उनमे से हमारी कौन सी थी मेरे लिए पहचान पाना मुश्किल ही नहीं असंभव था | मैं किनारे बैठा जोहड़ में लोटती हुई भैंसों को देख रहा था और डर रहा था कि अगर भैंस कहीं ओर निकल गई तो क्या होगा ? कुछ समय बाद जब दादाजी के मित्र चले गए तो वे बोले कि चल अपनी भैंस को बाहर निकाल ले, घर चलते है | मैंने कहा कैसे निकालूं ? उन्होंने कहा मिटटी का ढेला उठाकर मार | मैंने कहा किसे ? वे बोले भैंस को और क्या मुझे मारेगा ? मैं बोला कौन सी भैंस को ? वे बोले अपनी भैंस को | में डरते हुए बोला, अपनी कौनसी है यही तो नहीं पता चल रहा है ? मेरी बाते सुनकर वो हंसने लगे और उन्होंने खुद भैंस को बाहर निकला और हम घर आ गए | मेरी भी जान में जान आ गई |

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

1. संयुक्त परिवार से आप क्या समझते हैं ?

2. लेखक के परिवार में लेखक से बड़े कितने बच्चे थे ?

(i) तीन (ii) दो (iii) पांच (iv) छह

3. रमेश, दिनेश, सुरेश, महेश, राखी और कोमल भाई-बहन है | रमेश दिनेश से दो साल बड़ा है लेकिन महेश से तीन साल छोटा है | महेश सुरेश से एक साल बड़ा है | राखी कोमल से चार साल छोटी है और उसकी उम्र सुरेश के बराबर है | यदि महेश की उम्र 11 वर्ष हो तो बताइए-

(i) सबसे बड़ा कौन है ?

(ii) सबसे छोटा कौन है ?

4. आपके परिवार में आपके दादा दादी आप से किस प्रकार के काम करने को कहते हैं ? किन्ही दो कामों का उल्लेख कीजिये |

5. अपने बचपन की किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिये जिसे याद करके आपको आज भी बहुत अच्छा लगता है ?

- जोगिन्दर सिंह , प्रवक्ता, रा.उ.वि.सिधनवा, बहल

प्रतिमान 8 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

बचपन की स्मृतियां बहुत मधुर होती है| यह जीवन काल का वह अंश है जिसे हम सदैव स्मरण रखते हैं| बचपन की मस्ती व तनाव रहित माहौल जिंदगी में दोबारा नहीं मिलता| मुझे आज भी याद है अपने माता-पिता का वह लाड़- दुलार जो वो मुझे बचपन में देते थे| बचपन से ही मेरा बातूनी स्वभाव सबका मन मोह लेता था। आस- पड़ोस के पड़ोसी, रिश्तेदार सभी मुझसे बातें मिलाते व किसी न किसी बहाने मुझे बुलाने की कोशिश करते व मेरे भोले उत्तरो को सुनकर ठहाका लगाते |परिवार में भी मुझसे गाना व नृत्य करने का भी आग्रह करते| मेरे गाने व नृत्य पर ताली बजाते व मेरी मां मुझ पर से पैसे वारती व रात को मेरी नजर उतारती । मेरे पिताजी का भी मुझसे बहुत लगाव था| वो रात में मुझे अपने पास ही सुलाते व मेरे खाने-पीने का भी ध्यान रखते| वह मेरे सिर की मालिश करते और चोटी तक बनाते | मेरे पिताजी को मेरी पढ़ाई की भी फिक्र रहती|वे प्रतिदिन मेरा गृह कार्य करवाते व रविवार को परीक्षा भी लेते| वैसे तो पिताजी का लाड़ -प्यार मुझे बहुत अच्छा लगता था | लेकिन जब वो परीक्षा लेते तो मुझे उनसे डर लगता था|

मेरा विद्यालय काल भी बहुत अच्छा बीता| सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं की मै चहेती रही | क्योंकि मैं पढ़ाई में तो श्रेष्ठ थी ही साथ में बहुमुखी प्रतिभा की धनी भी थी| अपनी कक्षा की सहेलियों संग खूब मस्ती करती |जीवन के 12 वर्ष अपने भाइयों के साथ हंसते खेलते बीत गए| ना दुख था, ना चिंता थी ,ना ही जीवन की परेशानियों से ही रूबरू थी|मेरे जीवन का कठिन दौर मुझे 13 वर्ष की आयु में देखना पड़ा| मेरे परिवार पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा| मेरी माता की आकस्मिक मृत्यु का मेरे जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ा| जिस उम्र में एक लड़की को मां की सबसे ज्यादा जरूरत होती है उसी उम्र में मां के बिना जीना सीखना पड़ा |यहीं खत्म हो गया मेरा बचपन । पिता मां के जाने के बाद मुस्कुराना भूल गए |भाइयों व मुझ पर पढ़ाई के साथ-साथ घर के कामकाज की भी जिम्मेदारी आन पड़ी| फिर भी जिंदगी के कठिन दौर को पार करके आज मैं एक सुखी जीवन जी रही हूं, पर बचपन हंसी ठिठोली को कभी नहीं भूल पाती | आज मैं एक माँ भी हूं और अपने बच्चों के बचपन में अपना खोया बचपन देख कर संतुष्ट हो जाती हूं ।

प्र नं 1 आपके आस पड़ोस में रहने वाले छोटे बच्चों की कौन सी हरकतें आपको अच्छी लगती हैं?

प्र नं 2 बचपन को स्वर्ण काल क्यों कहा जाता है?

प्र नं 3 आप अपने माता-पिता में से किसके अधिक निकट हैं और क्यों ?

प्र नं 4 यदि 3 व्यक्तियों की औसत आयु 42 वर्ष हो तो उनकी आयु का कुल योग कितना होगा?

प्र न 5 अन्नु का जन्म 1 सितंबर 1982 को हुआ तो बताइये उसके जन्मदिन वाले दिन का क्या वार था?

(1) सोमवार (ख) वीरवार (ग) बुधवार

- रेणुका ,प्रवक्ता, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चाँदी ,लाखन माजरा , रोहतक

प्रतिमान 9 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

आज बचपन बहुत याद आ है। मेरे घर बेटी हुई है। मुझे याद है , जब मै छोटा था तब बेटी पैदा होने पर कैसा हाहाकार मचता था। ऐसा लगता था, मानो किसी बुरी आत्मा ने जन्म ले लिया हो। घर में रोना पीटना शुरू हो जाता था। मातम सा छा जाता था। मानो बेटी ने इस घर में पैदा होकर कोई पाप कर दिया हो। हमारा घर भी किसी दूसरी दुनिया में नहीं था। लेकिन मै बस देखता रहता क्योंकि कुछ कर नहीं सकता था। आज भी हालात ज्यादा नहीं सुधरे है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब खुलेआम नहीं लोग बंद कमरों और बंद दिलों में रोते है। सरकार के भरसक प्रयास करने के बाद भो लोगों का ना सुधारना उनकी मानसिकता का परिचय देता है। वक्त बदलेगा तो जरूर। जिन बेटियों को आज लोग कोस रहे है, वहीं बेटियाँ आसमान की ऊँचाइयाँ छू चुकी है और आगे बढ़कर मुँह तोड़ जवाब दे रही है। इस इक्कीसवीं सदी में बेटियों का लोहा हर कोई मान रहा है। लेकिन आज भी कुछ ऐसे लोग है जो बेटियों को गर्भ में ही मार देना चाहते है। लेकिन सरकार इस बारे में संवेदनशील है और प्रयासरत है। वर्ष 2011 में हरियाणा में प्रति 1000 लड़कों के मुकाबले 830 लड़कियाँ थी, वही आज यह संख्या बढ़कर 914 हो गई है। ये सभी के प्रयासों का परिणाम है।

प्रश्न 1 लड़की के पैदा होने पर घर में मातम क्यों छा जाता था ?

प्रश्न 2 हमारा घर भी किसी दूसरी दुनिया में नहीं था - इस वाक्य में लेखक क्या कहना चाहता है ?

प्रश्न 3 साल 2011 से अब तक 1000 लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या में कितने प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है ?

प्रश्न 4 ऐसी महिलाओं के नाम लिखें जिन्होंने अपने अपने क्षेत्र में नाम कमाया हो ?

प्रश्न 5 क्या आपके आस पास ऐसी कोई महिला है जिसने कामयाबी को छुआ हो ? उसके बारे में बताइये

- अश्विनी शर्मा, प्राध्यापक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गुरुग्राम

प्रतिमान 10 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

प्रश्न 1 ऊपर दिए गए चित्र में स्वच्छ ईंधन किस ईंधन को बताया गया है तथा क्यों ?

प्रश्न 2 प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं के विकास के लिए 2016 में चलाई गई उज्ज्वला योजना(BPLपरिवार के लिए) की शुरुआत किस राज्य की गयी ?

(i) राजस्थान

(ii) बिहार

(iii) हरियाणा

(iv) उत्तर प्रदेश

प्रश्न 3 वर्तमान समय में रसोई घर में प्रयुक्त होने वाले सिलेंडर में कोन सी गैस का प्रयोग किया जाता हैं ? यह गैस ठोस रूप में होती है या द्रव रूप में |

प्रश्न 4 प्रधानमंत्री द्वारा बेटियों के विकास के लिए चलाई गई कोई दो योजनाओं के नाम बताओ | जिसके बारे में अपने विद्यालय/आस-पड़ोस में बहुत बार सुना हो |

प्रश्न 5 BPL और APL से आपका क्या अभिप्राय है ? तथा इनका हिंदी में पूरा नाम भी लिखो

	हिंदी में पूरा नाम
APL	
BPL	

- **सरीता, बी. आर. पी. हिन्दी, ब्लाक बेरी, झज्जर।**

प्रतिमान 11 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

बचपन जहां बिना किसी चिंता के खेलने खाने के लिए जाना जाता है , वहीं अगर इसी आयु में कोई बच्चा अपने लेखन के लिए इतनी प्रसिद्धि पा ले कि उसकी किताब विश्व की सबसे ज्यादा बिकने वाली दस किताबों में शामिल हो जाए , तो यह हैरान कर देने वाला है। इस लेखिका का नाम है ऐन फ्रेंक , जो एक यहूदी लड़की थी , जिसकी लिखी निजी डायरी पर आधारित एक पुस्तक प्रकाशित हुई जिसका शीर्षक था , 'एक किशोरी की डायरी। इसमें ऐन फ्रेंक ने जर्मनी के तानाशाह हिटलर के समय के बारे में लिखा है। जर्मनी में हिटलर के उदय के साथ ही वहां रह रहे यहूदियों का जीवन संकट में आ गया था। हिटलर यहूदियों से नफरत करता था और उन्हें गैस चैंबर में डाल कर मरवा देता था। इससे डरे यहूदी गुप्त ठिकानों पर रहने को मजबूर हो गए थे। ऐन फ्रेंक जिसका जन्म 12 जून 1929 को हुआ था , उसने ऐसे ही एक गुप्त ठिकाने (जहां पर वह 12 जून 1942 को अपने परिवार के साथ रहने के लिए चली गई थी) पर रहते हुए अपने निजी अनुभवों की डायरी लिखी। इसमें उसने अपनी दिनचर्या एवं विश्व युद्ध के कारण उस समय के बदलते राजनीतिक माहौल के बारे में लिखा। इसके अतिरिक्त उसने बचपन से किशोरावस्था में आने पर होने वाले बदलावों के बारे में भी लिखा। यह डायरी ऐन फ्रेंक की मृत्यु (जो उनके सौलहवें जन्मदिन से चार महीने पूर्व हुई) के बाद एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुई। इस डायरी की अंतिम प्रविष्टि 1 अगस्त 1944 की दर्ज है। 4 अगस्त 1944 को उस गुप्त ठिकाने पर रहने वाले सभी सदस्य गिरफ्तार कर लिए गए थे।

उपरोक्त गदयांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें

1. ऐन फ्रेंक का परिवार कुल कितने समय के लिए गुप्त ठिकाने पर रहा ?
2. ऐन फ्रेंक की मृत्यु किस साल के किस महीने में हुई ?
3. किशोरावस्था से आप क्या समझते हैं ? किशोरावस्था में आने वाले किन्हीं दो बदलावों के बारे में बताएं।
4. 'डायरी लेखन एक अच्छी आदत है ', इस कथन की पुष्टि के लिए कोई दो कारण बताइये।
5. उपरोक्त गदयांश में किस विश्व युद्ध की बात हो रही है?

- चेतना जाठोल , बी. आर. पी. हिन्दी, ब्लाक मातनहेल झज्जर।

प्रतिमान 12 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

बचपन में बिताए गए दिनों की याद आते ही, आंखों के सामने अनेक रंग-बिरंगे चित्र बनने लगते हैं, सबसे पहले मुझे याद आती है अपने माता-पिता की, प्राइमरी से लेकर कॉलेज तक पढ़ाने वाले शिक्षक प्रोफेसरो की, आस-पड़ोस में रहने वाले उन तमाम लोगों की जिन्हें देख सुनकर मैं बड़ी हुई हूं और जिन्होंने मेरा पथ प्रदर्शित किया था ।
माँ बी.ए. पास थी लेकिन रामायण, गीता, भागवत पुराण आदि ग्रंथों का नियमित पाठ किया करती थी । सप्ताह में दो दिन वह उपवास भी रखती थी । सूर्योदय के पहले वह मुझसे **बिस्तर** छोड़ देने और सैर पर निकल जाने को कहती कड़ाके की ठंड पड़ रही होती थी उन दिनों कौन भला ठंड में ठिठुरना चाहेगा ? न-नुकुर के बाद उठना ही पड़ता था । घर से निकलने के पहले वह इतना जरूर कहती की एक दौड़ लगा लेना ठंड भाग जाएगी और मैं ऐसा ही करती ।
माताएं अपनी संतानों को सहेजती है, सवारती है और सुयोग्य बनाती है । संताने केवल लाड-प्यार से नहीं, बल्कि त्याग, विद्रोह और कड़े अनुशासन से योग्य बनाती है वे अपने बच्चों में किस कुशलता के साथ बीजारोपण कर देती है । पिता अक्सर खामोशी ओढ़े रहते थे । वे कई बार गुस्सा भी करते थे । किताबों में नैतिक शिक्षा पर कई छोटे-बड़े लेख छपे होते, कुछ किताबों में महापुरुषों की जीवनी होती, जिससे मेरे मन पर गहरा प्रभाव पड़ा । जिससे मुझ में भी अच्छे नैतिक गुण पैदा हुए । आज मैं अपने जीवन में जो कुछ भी हूं सब अपने माता-पिता और अच्छे साहित्य के पठन की वजह से ही हूं ।

प्रश्न-1 बच्चों सबको अपना बचपन प्यारा होता है, बचपन के दिनों की याद आते ही इन खास लोगों का ख्याल आपके मन में आता है जिनसे हम अपनी जिंदगी में ज्यादा जुड़े होते हैं ?

प्रश्न-2 माता की हमारे जीवन में क्या भूमिका होती है, वह किस प्रकार हमें जीवन जीना सिखाती है ?

प्रश्न-3 किताबों की हमारे जीवन में क्या भूमिका होती है, इन्हें पढ़कर हम अपने जीवन में क्या प्राप्त कर सकते हैं ?

प्रश्न-4 एक किताब अगर 80 रुपए की है और हमने उसे 20 प्रतिशत मुनाफे में बेच दिया तो बताइए हमने वह किताब कितने रुपए में बेचीं ?

प्रश्न-5 एक मां अपनी दो संतानों में एक लाख की राशि ऐसे बांटना चाहती है की एक संतान को मिली राशि का दो तिहाई दूसरी संतान को मिले बताइए दोनों संतानों को कितनी कितनी राशि मिली ?

- प्रेरणा , बी. आर. पी. हिन्दी, ब्लाक साहा , अम्बाला

प्रतिमान 13 - (मेरे बचपन के दिन आधारित स्वरचित गद्यांश)

बचपन की स्मृतियाँ बहुत सुखद होती हैं। जब हम स्कूल जाते थे तो अपनी तख़्ती को मुल्तानी मिट्टी से पोतकर उसे हवा में लहराते हुए जाते थे । हम खेतों से सरकंडे तोड़कर लाते थे तथा मास्टरजी उन सरकंडों से हमारे लिए कलम बनाते थे। सभी बच्चे तख़्ती पर सुंदर अक्षर लिखने की हर सम्भव कोशिश करते थे । हम स्याही की दवात में थोड़ी चीनी मिला देते थे । हमने किसी से यह सुन लिया था कि चीनी मिलाने से स्याही में चमक पैदा होती है जिससे लिखावट सुंदर आती है । कई बार तो सर्दियों में पूरे दिन धूप नहीं निकलती थी। हम अपनी पुती तख़्ती को हवा में लहराते तथा भगवान से धूप निकालने की प्रार्थना करते। कई बार भगवान हमारी प्रार्थना को सुन भी लेते थे। मध्यांतर के बाद तख़्ती लिखनी होती थी । हम सब बच्चे पूरे मनोयोग से तख़्ती लिखते थे । मास्टर जी हमारी तख़्ती पर चाक से नंबर देते थे । सभी बच्चे अच्छे नंबर प्राप्त करने के लिए हर संभव कोशिश करते थे । मैं घर पर भी दो तीन बार पोत-पोतकर तख्ती लिखता था । हमारी तख़्ती कोई बाजार से नहीं आती थी , गाँव का बढ़ई ही बना देता था , परंतु आजकल तख़्ती पर लिखना बंद हो गया है, क्योंकि शायद अब तख़्ती पर लिखना गरीबी का सूचक हो गया है । गरीबी का तो पता नहीं दूर हुई या नहीं, परंतु तख़्ती अवश्य लुप्त हो गई ।

प्रश्न 1. बचपन की स्मृतियाँ सुखद क्यों होती हैं ?

प्रश्न 2. आजकल लिखावट सुंदर बनाने के लिए अध्यापकों द्वारा किस प्रकार के प्रयास किये जाते हैं ?

प्रश्न 3. आज से तीस वर्ष पहले प्राथमिक कक्षाओं के लिए तख़्ती तथा स्लेट पर लिखना अनिवार्य था। आजकल तख़्ती तथा स्लेट क्यों लुप्त हो गई ?

प्रश्न 4. सरकंडों से कौन-कौन सी चीज़ें बनती हैं ?

(क) कुर्सी- मेज

(ख) चटाई

(ग) बच्चों की खेलने की गाड़ी

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 5. लेखक का जन्म 12 जून, 1976 को हुआ । उस दिन क्या वार था ?

(क) शनिवार

(ख) रविवार

(ग) सोमवार

(घ) मंगलवार

- **डॉ. महेन्द्रसिंह, बी. आर. पी. हिन्दी, ब्लाक बौन्दकलां।**

प्रतिमान 14 – (मेरे बचपन के दिन आधारित)

प्रश्न 1 दिए गए चित्र द्वारा निम्नलिखित में से क्या संदेश दिया गया है

क सबको लड्डू बांटने चाहिए

ख सबको बराबर खुशियां मिले

ग स्त्री और पुरुषों को समाज में बराबर दर्जा मिले और इन दोनों की बराबर संख्या हो

घ उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 2 मान लीजिए आपके गांव या कस्बे में स्त्री और पुरुष की संख्या का अनुपात 3 :4 है और कुल जनसंख्या 2100 है। स्त्रियों की कुल संख्या ज्ञात करते हुए बताइए कि यह पुरुषों की तुलना में कितनी कम है

क 1200

ख 900

ग 2100

घ 300

प्रश्न 3 आपने अक्सर अपने आस-पड़ोस में देखा होगा कि एक लड़के के जन्म पर पूरा परिवार बहुत खुश होता है ,थाली बजाकर ,लड्डू बांटकर खुशियां मनाई जाती है ।क्या आपने कभी किसी लड़की के जन्म पर ऐसा देखा है? यदि हां तो बताइए कि कहां देखा है यदि नहीं तो अपनी समझ के आधार पर बताइए कि ऐसा क्यों होता है कि एक लड़की के पैदा होने पर खुशियां क्यों नहीं मनाई जाती ?

प्रश्न 4 आपके शहर में यदि 1000 पुरुषों के पीछे 750 स्त्रियां हैं और पुरुषों की कुल जनसंख्या 2000 है तो कुल जनसंख्या ज्ञात कीजिए?

प्रश्न 5 आपके परिवार में एक लड़के को कौन-कौन से अधिकार प्राप्त हैं क्या यह सभी अधिकार एक लड़की को भी प्राप्त है?

- **गीता सिंधु, प्रवक्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भंभेवा, झज्जर।**

प्रतिमान 15 - (मेरे बचपन के दिन आधारित)

बॉलीवुड की सबसे मशहूर सिंगर लता मंगेशकर की आवाज का तो हर कोई दीवाना है लेकिन उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ अनसुने पहलू आज भी लोगों को नहीं पता है। लता मंगेशकर बचपन से ही संगीत को लेकर बहुत ही संवेदनशील और समर्पित रही हैं। म्यूजिक के लिए उनका प्यार 15 साल की उम्र में ही पनपना शुरू हो गया था। वह अक्सर अपने आस-पड़ोस में रेडियो पर बज रहे गानों और भजनों को सुना करती थी। सिर्फ इतना ही नहीं सुनने के साथ-साथ वह इन गानों को गाने की कोशिश भी किया करती थी। 18 साल की उम्र में एक ऐसा वक्त भी आया जब लता जी को लगा था कि अब उन्हें खुद का रेडियो खरीद लेना चाहिए । इसका मुख्य कारण था कि वे अपने रेडियो में ज्यादा से ज्यादा गाने, कव्वाली और भजन सुन सकती थी। लता जी ने एक रेडियो खरीदने का संकल्प ले ही लिया। लेकिन पैसे ना होने के कारण वह उस वक्त इस संकल्प को पूरा ना कर पाए। हम उन्हें रेडियो के लिए पैसे जोड़ना शुरु कर दिया। महीनों पैसे बचाकर रेडियो खरीदना और उसमें गाने सुनना लता जी के लिए किसी सपने से कम नहीं था। हाथों में महीनों से बचाया हुआ पैसा और आंखों में सालों से संजोया हुआ सपना उन्हें एक अलग ही दुनिया में ले जा रहा था। आखिरकार उन्होंने दुकान से रेडियो खरीदा और अपना यह सपना सच कर दिया। दुकानदार से रेडियो के सारे फंक्शन समझने के बाद लता जी रेडियो लेकर घर आ गई लेकिन शायद उनकी खुशी पल भर की ही थी। जैसे ही लता जी ने गाने सुनने के लिए रेडियो चालू किया उसमें सबसे पहले एक ऐसी खबर सुनाई दी जिसने उनकी खुशी पलभर में ही छीन ली। यह खबर थी महान गायक और संगीतकार के.एल. सहगल के निधन की। यह खबर सुनकर वह बहुत दुःखी हुई। वह इतनी बेचैन हो चुकी थी कि उन्होंने इस रेडियो को ना रखने का फैसला ले लिया और दूसरे ही दिन उन्होंने उस रेडियो को दुकानदार के पास जाकर वापस कर दिया।

प्रश्न 1- आपने नौवीं कक्षा में पास होने के लिए या अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए?

प्रश्न 2- किस घटना के बाद लता ने रेडियो वापस करने का फैसला लिया?

प्रश्न 3 -आपका जीवन किस व्यक्ति से प्रभावित हुआ और कैसे?

प्रश्न 4 -लता एक कार समान गति से चला रही है उसकी गति 60 किलोमीटर प्रति घंटा है। 3 घंटे 15 मिनट में कितनी दूरी तय करेगी ?

प्रश्न 5- एक आयताकार दुकान की लंबाई 10 इकाई है और चौड़ाई 8 इकाई है। क्षेत्रफल क्या होगा ?

- **नीतू, प्रवक्ता,** रा. उ. वि. गोला **, साहा, अम्बाला**

प्रतिमान 16 – (मेघ आए पाठ आधारित)

अक्सर जब आकाश में बादल छा जाते हैं और तेज हवा चलती है तो बिजली चमकती है। बिजली वर्षा आने से पहले अथवा वर्षा के बीच भी चमकती हुई देखी जाती है। आओ जानें कि बिजली चमकती क्यों है? बादलों में नमी होती है। यह नमी बादलों में जल के बहुत बारीक कणों के रूप में होती है। हवा और जलकणों के बीच घर्षण होता है। घर्षण से बिजली पैदा होती है और जलकण आवेशित हो जाते हैं यानि चार्ज हो जाते हैं। बादलों के कुछ समूह धनात्मक तो कुछ ऋणात्मक आवेशित होते हैं। धनात्मक और ऋणात्मक आवेशित बादल जब एक-दूसरे के समीप आते हैं तो टकराने से अति उच्च शक्ति की बिजली उत्पन्न होती है। इससे दोनों तरह के बादलों के बीच हवा में विद्युत-प्रवाह गतिमान हो जाता है। विद्युत-धारा के प्रवाहित होने से रोशनी की तेज चमक पैदा होती है। आकाश में यह चमक अकसर दो-तीन किलोमीटर की ऊँचाई पर ही उत्पन्न होती है। इस चमक के उत्पन्न होने के बाद हमें बादलों की गरज भी सुनाई देती है। बिजली और गरज के बीच गहरा रिश्ता है। बिजली चमकने के बाद ही बादल क्यों गरजते हैं? वास्तव में हवा में प्रवाहित विद्युत-धारा से बहुत अधिक गर्मी पैदा होती है। हवा में गर्मी आने से यह अत्यधिक तेजी से फैलती है और इसके लाखों करोड़ो अणु आपस में टकराते हैं। इन अणुओं के आपस में टकराने से ही गरज की आवाज उत्पन्न होती है। प्रकाश की गति अधिक होने से बिजली की चमक हमें पहले दिखाई देती है। ध्वनि की गति प्रकाश की गति से कम होने के कारण बादलों की गरज हम तक देर से पहुँचती है।

प्रश्न1. आसमान नीला होने के क्या -क्या कारण हैं?

प्रश्न2. जब हम गर्म बर्तन में ठंडा पानी डालते हैं तो बर्तन पर इसका क्या प्रभाव होता है?

प्रश्न3. जब हम गर्म जलवायु से ठंडी जलवायु में जाते हैं तो क्या होता है?

प्रश्न4. बिजली उत्पादन के कोई दो माध्यमों के नाम लिखिए

प्रश्न5. माना कि ध्वनि की गति हवा में 344 मीटर प्रति सैकंड है और एक व्यक्ति 6880 मीटर दूरी तय कने में कितना समय लगेगा ?

-मंजू , बी. आर. पी. हिन्दी, ब्लाक ऐलनाबाद , सिरसा

प्रतिमान 17 - (मेघ आए पाठ आधारित)

तपती धरती खोज रही है,सीने में दरार लिए |
बाट देख रहे सभी किसान ,आंखों में इक आस लिए|
कहां गए तुम काले मेघ?
सूखी खेती देख- देख कर, नैनों में जल भरने लगा है|
कैसे जलेगा घर का चूल्हा, सोच -सोच मन डरने लगा है|
कब आओगे काले मेघ?
नदी ,नहर ,सब थम से गए हैं, वृक्ष सब कुम्हलाए हुए |
कैसे चैन पड़े प्राणी को, बिन तुम्हारे आए हुए|
तरस भी खाओ काले मेघ !
अब जो देर हुई आने में ,यम के दूत डराने लगेंगे |
पशुओं के बाड़ों के ऊपर गीद्ध, चील मंडराने लगेंगे |
सुनो गुहार हे काले मेघ!

प्र॰1. तपती धरती की प्यास कैसे बुझेगी?

प्र॰2. पशुओं के बाड़ों के ऊपर गीद्ध चील क्यों मंडराने लगेंगे?

प्र॰3. कृषि पर वर्षा का क्या प्रभाव पड़ता है?

प्र॰4. मेघ वर्षा करने के लिए पानी कहां से और कैसे प्राप्त करते हैं?

प्र॰5. आप के खेत से प्रतिवर्ष 12 क्विंटल अनाज उत्पन्न होता था ,परंतु वर्षा की कमी के कारण इस वर्ष 720 किलो अनाज प्राप्त हुआ तो बताओ कि सूखे के कारण कितने प्रतिशत अनाज कम हुआ?

-सुभाष चंद्र , अध्यापक **हिन्दी, (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्‌यालय कुत्ताबढ** ऐलनाबाद, सिरसा।

प्रतिमान 18 - (मेघ आए पाठ आधारित)

प्रश्नः–1 अपने दैनिक जीवन में पानी बचाने के लिए आप क्या कर सकते हैं ?

प्रश्नः–2 आपके घर में जरूरत के अनुसार पानी की व्यवस्था करने के लिए क्या–क्या काम किए जाते हैं?

प्रश्नः–3 यदि एक मिनट में एक टूंटी से 2.5 पानी निकलता है तो 50 लीटर का बर्तन भरने में कितना समय लगेगा?

प्रश्नः–4 एक घर में प्रतिदिन 420 लीटर पानी की खपत होती है। रसोई के कामों के लिए इसका 45 प्रतिशत, वाहन धोने व सफाई में 30 प्रतिशत और पीने के लिए 15 प्रतिशत पानी लगता है। तो घर में कुल कितने पानी की खपत होती है?

प्रश्नः–5 बच्चे जल संचय के लिए क्या कर सकते हैं?

– अरुण कैहेरबा . प्रवक्ता, रा. उ. वि. कारेरा खुर्द , जगाधरी

प्रतिमान 19 - (मेघ आए पाठ आधारित)

कुआनो निर्लिप्त भाव से बहती रहती है,
अपना पाट नहीं बदलती।
इस नदी ने मुझे अंधा कर दिया है।
मुझे कुछ दिखाई नहीं देता
अपनी ही आकृति क्रूर-कठोर लगती है।
एक बंजर भूमि में
बढ़े हुए नाखून लिए खड़ा हूं
जैसे उनसे ही नई फसल उगा लूंगा
जैसे उन्हीं के सहारे नहर खींचता
मैं उन खेतों में ले जाऊंगा
जहां काँसे की चूड़ियां खनकाती
औरतें मुंह अंधेरे दौरिया चलाती हैं
निराई और बोआई के गीत गाती हैं|

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

प्रश्न1. कवि बढ़े हुए नाखूनों से फसलें उगाने की बात क्यों कर रहा है?

प्रश्न2. कवि नहरें बनाकर नदी का पानी कहां तक ले जाना चाहता है और क्यों?

प्रश्न3. "जहां काँसे की चूड़ियां खनकाती औरतें.............." पंक्ति से कवि समाज के किस वर्ग की ओर इशारा कर रहा है ?

प्रश्न4. नदियों में कम होते पानी की वजह से भविष्य में किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है?

प्रश्न5. एक नाव धारा की दिशा में 4 घंटे में 28 किलोमीटर और धारा की विपरीत दिशा में 6 घंटे में 12 किलोमीटर की दूरी तय करती है|नाव और धारा की चाल ज्ञात करें|

- सोम प्रकाश , प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सिरसा।

प्रतिमान 20 - (मेघ आए पाठ आधारित)

" बादल"

आसमान पर छाए बादल
बारिश लेकर आए बादल
गड़-गड़, गड़-गड़ की धुन में
ढोल-नगाड़े बजाए बादल
बिजली चमके चम-चम, चम-चम
छम-छम नाच दिखाए बादल
चले हवाएँ सन-सन, सन-सन
मधुर गीत सुनाए बादल
बूँदें टपके टप-टप, टप-टप
झमाझम जल बरसाए बाद ल
झरने बोले कल-कल, कल-कल
इनमें बहते जाए बादल
चेहरे लगे हँसने-मुसकाने इतनी खुशियाँ लाए बादल

1 मॉनसून क्या है ?
2 बिजली की चमक पहले व गड़गड़ाहट बाद में क्यों सुनाई देती है ?
3 वर्षा होने का क्या कारण है ?
४ मानचित्र के अनुसार सबसे ज्यादा व सबसे कम बरसात वाले राज्य कौन- कौन से है?

5 यदि भारत की उत्तर से दाक्षिण लम्बाई 3214 किलोमीटर व पूर्व से पश्चिम 2933 किलोमीटर है इनका तीन स्थानों तक भागफल ज्ञात कीजिए

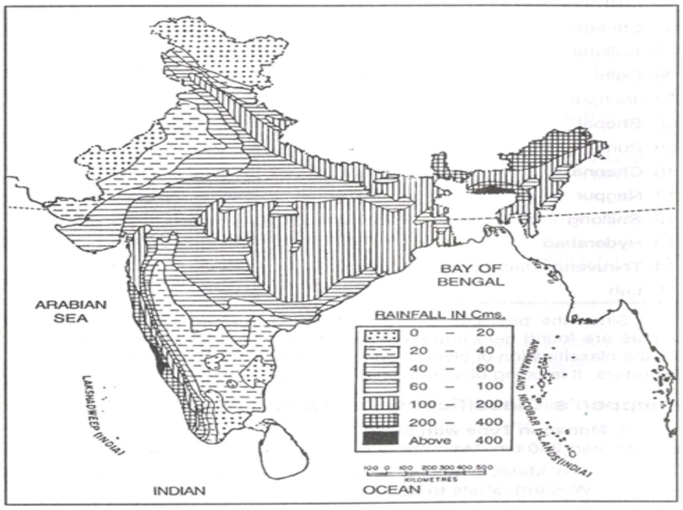

- नीरेनपाल सिंह, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर, रेवाड़ी

प्रतिमान 21 - (मेघ आए पाठ आधारित)

भर गया भीतर हरापन
मेघ का संवाद आया।
आहटें मिलने लगी जब,
धुंध जमती खिडकियों पर,
बूँद आकर झर गई जब,
आज बूढ़ी पत्तियों पर ।

यों लगा जैसे किसी का
खत महीनों बाद आया।

झूमती फिरती हवा में,
सरसराहट भर गयी थी,
एक कूची बादलों का,
रंग गहरा कर गयी थी ।

एक भीनी सी महक थी
एक सौंधा स्वाद आया।

इस तरह बिखरे कि बादल,
खत सरीखे हो गए थे,
आसमानी डाकिए की,
पोटली से खो गए थे।

खत कहाँ होंगे, अचानक
डाकिए को याद आया।

झर रहा था किंतु चलता,
एक मंथर चाल सावन,
और फिर पिछले महीने,

आ गया भोपाल सावन ।

मेघ के उल्लास को तब,
स्वर न मिलता था झरन का,
और सुख मन में सिमटकर,
रह गया वातावरण का।

आज धरती पर उतरकर
हर्ष का अनुवाद आया।

प्रश्न 1 सर्दियों में धुंध के मौसम में हमारे मुंह से भाप क्यों निकलती है?

प्रश्न 2 बिखरे हुए बादलों को किसके समान बताया है, उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर बताइए।

प्रश्न 3 अपनी कल्पना के आधार पर किन्हीं दो निर्जीव वस्तुओं के बीच हुए संवाद को लिखिए। (5 सम्वाद अधिकतम)

प्रश्न 4 'मंथर' शब्द का क्या अर्थ है? इससे मिलता-जुलता नाम है 'मंथरा' जो कि एक पौराणिक पात्र है आप मंथरा के बारे में क्या जानते हैं? 30 -40 शब्दों में उत्तर दें

प्रश्न 5 यदि मानसून के माह में प्रति दिन औसत 60 सेमी. बारिश हुई तो एक पखवाड़े में कितनी वर्षा हुई

- हेमलता, बी. आर. पी. हिंदी ब्लॉक बहल, भिवानी।

प्रतिमान 22 – (मेघ आए पाठ आधारित)

तप रहा था धरती का कण कण
भास्कर मानों सब कुछ जलाने पर अमादा था
आसमान के किसी छोर से उठी उन काली घटाओं का
मगर कुछ और ही इरादा था

नदी नाले समंदर ताल पोखर पेड़ पौधे और जीव जंतु
सबकी जलराशि का कुछ अंश चुराकर
घनघोर गर्जना कर घिर आये अनंत दिशाओं से
धरती की तपन मिटाने को धराधर

दिवाकर लाचार हुआ बूंदों के बाणों के आगे
और तपती हवाओं ने भी अपना पाला बदल लिया
बादलों के रंग में जब रंगी श्रृष्टि सारी
दिन भी अपनी चकाचौंध छोड़ सांवली सी रंगत में ढल लिया

दामिनी दमकने लगी अम्बर में जैसे
कोई दूर से फोटो खींच रहा था
धरती की करुण दशा पर मानों
श्याम नीरद अपने आंसुओं से उसे सींच रहा था

मिटटी से उठती सौंधी सी महक ने भी
धरती पर अनगिनत जीवन रूप महकाए
शस्य श्यामला हो गई वसुंधरा
जब उमड़ घुमड़ कर ये श्यामल मेघ आये

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

1. निम्नलिखित में से कौन से शब्द सूरज के पर्यायवाची हैं-
(i) भास्कर और घन (ii) धराधर और अम्बर (iii) दिवाकर और भास्कर (iv) घन और नीरद

2. बादल जलराशि की चोरी किस प्रकार करते हैं तथा इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है ?

3. कविता में बादलों के कुछ पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग किया गया है | इन्हें छांट कर लिखिए |

4. मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष प्रदेश में सामान्य से 12 प्रतिशत कम बारिश की संभावना है | यदि प्रदेश में औसत बारिश 300 मिलीमीटर होती हो तो बताइए-

(i) इस वर्ष सामान्य से कितने मिलीमीटर कम पानी बरसेगा ?

5. तपती हवाओं के पाला बदलने से क्या अभिप्राय है ?

- जोगिन्दर सिंह , प्रवक्ता, रा .उ. वि. **सिधनवा, बहल , भिवानी।**

प्रतिमान 23 - (मेघ आए पाठ आधारित)

आमों के पार
साँझ के सूने टीलों पर!
फ़िर पवन उंगलियाँ तुम्हे चिन्ह लेंगी
पौधों में पत्तों में, कत्थई कोपलों में!
तुम कि पिता हो-
कहीं तुम्हारे संवेदन में भी तो वही कंप होगा-
जो हमें हिलाता है!
ओ सुनो रंग-वर्षी बादल,
ओ सुनो गंध-वर्षी बादल,
हम अधजन्में धानों के बच्चे
तुम्हें माँगते है
बादल ओ

कविता आधारित प्रश्न-

1. प्रस्तुत कविता में से मानवीकरण अलंकार प्रयुक्त पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए।
2. कवि ने धानों को 'अधजन्में बच्चे' क्यूँ कहा है?
3. यदि बासमती चावल का मूल्य 120 रूपए प्रतिकिलो है तो एक क्विंटल चावल कुल कितने रूपए में आएँगे।
4. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने पिता किसे कहा है?
5. 'कत्थई कोपलों' में कत्थई रंग की ओर संकेत किया गया है। कत्थई रंग का कोई अन्य उदाहरण दीजिए।

- इन्दुबाला ,प्रवक्ता , जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गुरुग्राम

प्रतिमान 24 – (मेघ आए पाठ आधारित)

सुहावन सावन स्वागत में
धरा ने किया साज शृंगार
बिखेरा मादक पुष्प सुगंध
पाकर रिमझिम सुखद फुहार
सुहावन सावन स्वागत में
धरा ने किया साज शृंगार
मिट्टी आकुलता तन मन में
झूमकर ऋतु ने दी उपहार
खुशी अब फैली चारों ओर
लिया अंगड़ाई सुखद बयार
सुहावन सावन स्वागत में
धरा ने किया साज शृंगार
रचाई मेहंदी हाथों में
किया प्रकृति ने रूप निखार
लगी चहुं दिशा लुभाने में
बढ़ाया सबका रूप अपार
सुहावन सावन स्वागत में
धरा ने किया साज शृंगार

प्रश्न 1 आपने अपने घर या आस- पड़ोस में अक्सर बड़े- बूढ़ों को कहते सुना होगा कि चौमासा आ गया है 'चौमासा' कौन से 4 महीनों का समूह है-

क जनवरी फरवरी-मार्च अप्रैल
ख मार्च-अप्रैल मई जून
ग मई-जून जुलाई-अगस्त
घ जुलाई-अगस्त सितंबर अक्टूबर

प्रश्न 2 आपके विद्यालय में सावन मेले के अवसर पर आपने अपने मित्रों के साथ मिलकर 500 रुपए खर्च किए सभी मित्रों ने बराबर बराबर राशि खर्च की आपने और आप के प्रत्येक मित्र ने अपने अपने घर से 200 रुपए लेकर 75 रुपए घर वापस दे दिए तो ज्ञात कीजिए आप कितने मित्र हैं ?

क 3

ख 4

ग 5

घ 6

प्रश्न 3 यदि आपके घर कोई मेहमान आने वाला होता है तो उनके स्वागत के लिए क्या-क्या तैयारियां की जाती है ?

प्रश्न 4 वर्षा ऋतु आने पर प्रकृति में होने वाले कोई चार परिवर्तन बताइए जो आप अपने चारों और देखते हो ?

प्रश्न 5. निम्नांकित ऋतुओं और उनके महीनों में उचित मिलान कीजिए

बसंत	मई, जून
ग्रीष्म	अगस्त ,सितंबर
वर्षा	जनवरी ,फरवरी
शरद	मार्च , अप्रैल
हेमंत	जुलाई, अगस्त
शिशिर	नवंबर, दिसंबर

- **गीता सिंधु, प्रवक्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भंभेवा, झज्जर।**

प्रतिमान 25 - (मेघ आए पाठ आधारित)

तपती धरती खोज रही है सीने में दरार लिए।
बाट जोह रहे सभी किसान आंखों में आस लिए।
कह रही पीपर की डारी कोकिला की कूक प्यारी।
मृत्तिका की कोख सूनी बीज मृत मूर्छित है भूमि।
शुष्क पड़े नद - सरस को व्याकुलता को अब दरस दो।
अंबर में मेघ घुमड़ आया है, करो स्वागत मेहमान का।
अतिथि कोई घर आया है।
सूखते सर कूप वापी जलचरी कुंठित विकल है।
प्राण अवगुंठित हृदय में पीयूष रस छलकाओ तुम।
अज्ञातवास शेष छोड़ आ जाओ तुम।

प्रश्न -1. वर्षा के आने पर प्रकृति में क्या परिवर्तन होते हैं?
प्रश्न -2. हमारे देश में अतिथि को विशेष दर्जा प्राप्त है लेकिन आज इस परंपरा में क्या परिवर्तन आया है?
प्रश्न -3. आपके गांव में अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है , इसके लिए क्या उपाय करोगे?
प्रश्न -४ आसाम में वर्ष भर में 1200 मिली मीटर औसत वर्षा होती है। यदि जनवरी से अप्रैल तक औसत 360 मिली मीटर वर्षा हुई हो तो कुल वर्ष के शेष महीनों में कितने मिली मीटर वर्षा हुई?
प्रश्न -5. बाढ़ से बिहार में 12लाख65 हजार 560 , उड़ीसा में 4 लाख 12 हजार 315 , महाराष्ट्र में 3 लाख 34 हजार 670 तथा झारखंड में 1लाख 8 हजार 527 लोग प्रभावित हुए हों तो कुल कितने लोग बाढ़ से प्रभावित हुए?

- **मंजू रानी (हिंदी अध्यापिका), रा. व. मा. विद्यालय समालहेड़ी, साहा, अंबाला**

प्रतिमान 26 - (मेघ आए पाठ आधारित)

सूखी खेती देख - देख कर
नयनों में जल भरने लगा है,
कैसे जलेगा घर का चूल्हा
सोंच - सोंच मन डरने लगा है;
कब आओगे काले मेघ?
नदी - नहर सब थम से गए हैं
वृक्ष सभी कुम्हलाये हुए,
कैसे चैन पड़े प्राणी को
बिना तुम्हारे आये हुए;
तरस भी खाओ काले मेघ!

प्रश्न-1 वर्षा आने से खेती पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है ?

प्रश्न-2 वर्षा आने से पेड़-पौधों पर इसका क्या असर पड़ेगा, कोई दो पंक्तियों में इसका उत्तर दें ?

प्रश्न-3 वर्षा कम होने से हमें क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं ?

प्रश्न-4 एक चूल्हा 200 रुपए का खरीद कर हमने उसे 250 रुपए में बेच दिया, बताइए हमें कितने प्रतिशत का मुनाफा हुआ ?

प्रश्न-5 एक खेत की लंबाई 21 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है, उस खेत का क्षेत्रफल कितना होगा ?

- प्रेरणा , बी. आर. पी. हिन्दी, ब्लाक साहा , अम्बाला

प्रतिमान 27 - (मेघ आए पाठ आधारित)

अंतिम समय जब कोई नहीं जायेगा साथ
एक वृक्ष जायेगा
अपनी गौरैयों-गिलहरियों से बिछुड़कर
साथ जायेगा एक वृक्ष
अग्नि में प्रवेश करेगा वही मुझसे पहले
'कितनी लकड़ी लगेगी'
श्मशान की टालवाला पूछेगा
गरीब से गरीब भी सात मन तो लेता ही है
लिखता हूँ अंतिम इच्छाओं में
कि बिजली के दाहघर में हो मेरा संस्कार
ताकि मेरे बाद
एक बेटे और एक बेटी के साथ
एक वृक्ष भी बचा रहे संसार में।

1. पेड़ों का जुड़ाव मनुष्य से कैसे है?
2. अंतिम संस्कार यदि बिजली के दाहघर में किया जायेगा तो क्या होगा।
3. पेड़ों के कटने से वन्य जीव कैसे प्रभावित होंगें?
4. चन्दन की १० ग्राम लकड़ी का मूल्य 60 रुपए प्रतिग्राम है तो प्रति कि.ग्राम मूल्य बताइए
5. यदि जलने वाली लकड़ी 8 रुपये प्रति किलोग्राम मिलती है तो 7 मन लकड़ी का मूल्य कितना होगा?

-डॉ ० अजय सिंह , प्रवक्ता, **जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मात्रशाम (हिसार)**

प्रतिमान 28 - (मेघ आए पाठ आधारित)

किरणों की मथनी से सूरज, मथता जब सागर जल को।
नवनीत मेघ तब ऊपर आता, नवजीवन देने भूतल को।
था कतरा-कतरा सा पहले, धुनी तूल सा पूर्ण धवल,
घनीभूत जुड़-जुड़ के हुआ तो धरा काली घटा का रूप प्रबल
दमका तड़ित प्रचंड महा, चला तीर एम्बर के पटल को।
किरणों की मथनी से सूरज, मथता जब सागर जल को।
आशा भरे नए कृषकों के, बांध टकटकी तुझे देखते।
दादुर मोर पपीहा प्यारे स्वागत में किलकारी भरते।
ग्राम बाल तुझे देख देख कर नाचे बजा बजा करतल को।
फलीभूत की कृषक कामना, खेतों में बरसा वारि सुधासम।
वापी कूप तड़ागों को भर, हर्षाया धरणी का जल मन।
मिटा मेघ इस परोपकार में, त्याग तुच्छ जीवन चंचल को।
देशवासियों तुम अपनाओ, मेघ के जैसा जीवन पावन,
करो त्याग से देश की सेवा, बन जाओ जन जन के भावन।
नमन करे सारा जग फिर से, जगतगुरु के अक्षय बल को।
किरणों की मथनी से सूरज, मथता जब सागर जल को।

1. चीर शब्द सम्बंधित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिये।
2. वर्षा ऋतु में धरती पर क्या-क्या परिवर्तन दिखाई डरते हैं?
3. हम देश सेवा किस प्रकार कर सकते हैं? कोई तीन माध्यम बताइए
4. एक किसान 12% अपनी कमाई दान करता है तो 70000 रू की आमदनी पर वह कितना दान करेगा?
5. भारत फिर से विश्व गुरु कैसे बन सकता है? 30-40 शब्दों में उत्तर दीजिए

- **देवेंद्र कुमार**, **प्रवक्ता**, **रा. आ. व. मा. वि. शीशाय**, **हिसार**

प्रतिमान 29 - (मेघ आए पाठ आधारित)

सूखी धरा तरसे हरियाली
जाती आबिया लाएगी संदेशा
माटी की गंध का होगा कब अहसास हमें
गर्म पत्थरों के दिल कब होंगे ठंडे
घनघोर घटाओं को देख
नाचते मोर के पग भी अब थक चुके
मेंढक को हो रहा टर्राने का भ्रम
ओ मेघ अब तो बरस जा
छतरियां, बरसाती
भूली गांव-शहर का रास्ता
उन्होंने घरों में जैसे रख लिया हो व्रत
नदियां, झरनों के हो गए कंठ सूखे
कल-कल के वे गीत भूले
नेह में भर गया अब तो पानी
ओ मेघ अब तो बरस जा
हले खेत हो जैसे अनशन पर
बादलों की गड़गड़ाहट
बिजलियों की चमक से
डर जाता था कभी प्रेयसी का दिल
ठंडी हवाओं से उठ जाता था घुंघट
मुस्कुराते चेहरे होने लगे अब मायूस
ओ मेघ अब तो बरस जा

प्रश्न 1-जब आपके आसपास हवा चलती है तो आपको कैसा अनुभव होता है? 30-40 शब्दों में उत्तर दीजिए

प्रश्न 2- जब वर्षा होती है तो कैसा वातावरण होता है वर्णन करो? 30-40 शब्दों में उत्तर दीजिए

प्रश्न 3- गांव और शहर के रहन-सहन का वर्णन करो? 30-40 शब्दों में उत्तर दीजिए

प्रश्न 4- एक आयत का परिमाप 56 सेंटीमीटर है। उसकी लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 4:3 है| तो आयत की लम्बाई और चौड़ाई ज्ञात कीजिये ?

प्रश्न 5 - एक समकोण त्रिभुजाकार आकृति की दो भुजाएं क्रमशः 6 सेंटीमीटर एवं 8 सेंटीमीटर है कर्ण की लम्बाई ज्ञात कीजिए

- **नीतू, प्रवक्ता,** रा. उ. वि. गोला **, साहा, अम्बाला**

प्रतिमान 30 - (मेघ आए पाठ आधारित)

कहते हैं कि यदि बादलों को छूकर देखना चाहते हो तो भारत के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय ज़रूर जाएँ। मेघालय दो शब्दों से मिलकर बना है मेघ तथा आलय यानि बादलों का घर। मेघालय उत्तर में असम और दक्षिण में बांग्लादेश से घिरा हुआ है। यहाँ गारो , ख़ासी तथा जयंतिया पहाड़ी क्षेत्र हैं तथा इसी नाम की तीन जनजातियों के लोग वहाँ रहते हैं। इस राज्य को पूर्व का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है क्योंकि यहाँ की पहाड़ियाँ स्कॉटलैंड की पहाड़ियों से मिलती जुलती हैं। मेघालय अपनी हरी-भरी वादियों और बादलों से ढकी पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। बादलों को अपने इतनी पास देखकर महादेवी वर्मा जी की पंक्तियाँ याद आ जाती हैं कि -

कहाँ से आये बादल काले?
कजरारे मतवाले!

यहाँ के मुख्य पर्यटन स्थल मोसिनराम , एलिफंटा फॉल, चेरापूंजी, वार्ड्स झील, उनियाम आदि हैं। मेघालय दुनिया में सबसे ज्यादा वर्षा होने वाली जगहों के लिए भी जाना जाता है। मेघालय के अत्यंत रमणीय बादल और प्राकृतिक सौन्दर्य को देखने के लिए सबसे उपयुक्त समय सितंबर से अप्रैल का है। वर्षा ऋतु में मेघालय जाने का जोखिम न उठाएँ क्योंकि बारिश के कारण खतरा बढ़ सकता है। मेघालय जाने के लिए हवाई मार्ग सबसे अच्छा विकल्प है। पहाड़ी राज्य होने के कारण यहाँ रेल मार्ग नहीं है , यदि रेल से जाना है तो आपको गुवाहाटी तक की रेल मिलेगी जहां से हर घंटे शिलांग के लिए बस सेवा उपलब्ध है।

उपरोक्त गदयांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें

1. वर्षा ऋतु में मेघालय में किस प्रकार की प्राकृतिक आपदा का डर रहता है ?
   - क. भूकंप
   - ख. सुनामी
   - ग. भूस्खलन
   - घ. ज्वालामुखी
2. भारत में सबसे ज्यादा वर्षा मेघालय के किस स्थान पर होती है ?
3. मीणा जनजाति भारत के इनमें से किस राज्य में निवास करती है ?

क. राजस्थान

ख. केरल

ग. मेघालय

घ. त्रिपुरा

4. आपको क्या लगता है कि गारो, ख़ासी और जयंतिया नाम जनजाति से पहाड़ी क्षेत्र का रखा गया या पहाड़ी क्षेत्र से जनजाति का?
5. गुवाहाटी से शिलोंग की दूरी 98 किलोमीटर है। यदि कोई बस 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है तो गुवाहाटी से शिलोंग पहुँचने में उसे कितना समय लगेगा?

- **चेतना जाठोल , बी. आर. पी. हिन्दी, ब्लाक मातनहेल झज्जर।**

प्रतिमान 31 - (मेघ आए पाठ आधारित स्वरचित)

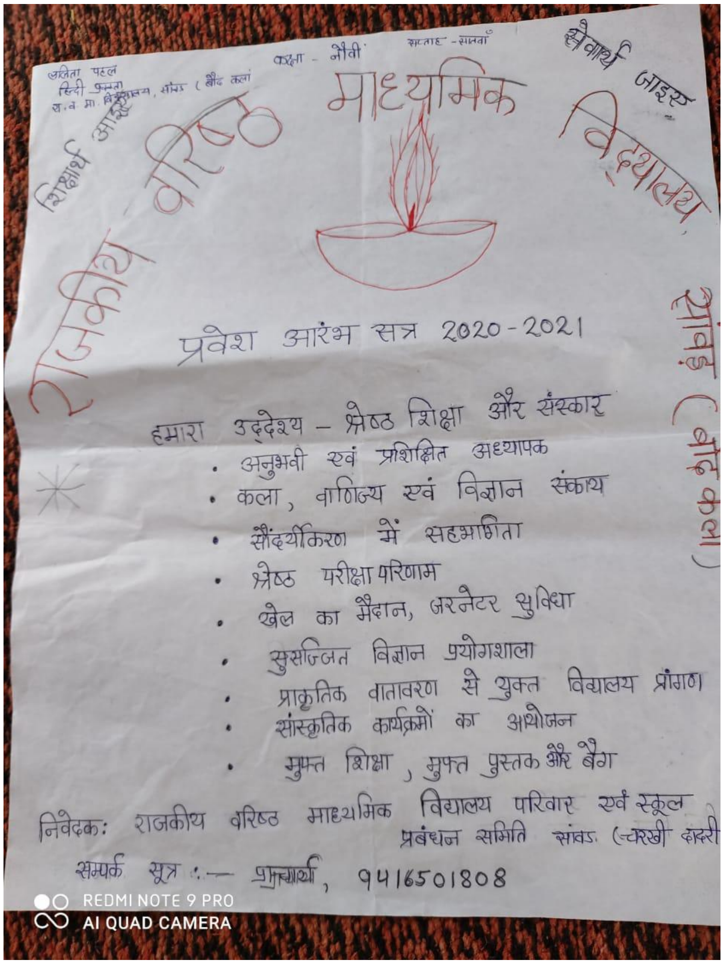

प्रश्न1. 'शिक्षार्थ आइए, सेवार्थ जाइए' उक्ति में क्या भाव निहित है ?

प्रश्न 2. कक्षा 12वीं के छात्रों में 10% छात्र विज्ञान विषय के 70% छात्र कला विषय के तथा 20% छात्र वाणिज्य विषय के हैं । यदि कक्षा के कुल छात्रों की संख्या 40 हो तो विषय अनुसार विद्यार्थियों की संख्या बताइए ।

प्रश्न 3 निजी स्कूलों की तुलना में सरकारी स्कूल क्यों बेहतर है ? अपने विचार संक्षेप में बताइए ।

प्रश्न 4. 'संपर्क- सूत्र' से क्या आशय है ? विज्ञापन में इसे क्यों स्थान दिया गया है ?

प्रश्न 5. मुफ्त शिक्षा किस आयु वर्ग के बच्चों को दी जाती है ?

(क) 6 से 14

(ख) 6 से 16

(ग) 6 से 18

(घ) 5 से 10

- ललिता पहल, प्रवक्ता, रा. व. मा.वि. सावड़, चरखी दादरी।

प्रतिमान -32

प्रश्न 1. प्रस्तुत विज्ञापन में किस वस्तु का जिक्र किया गया है।और यह किस देश में बनी है?

प्रश्न 2. हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को किस प्रकार बढ़ा सकते हैं?

प्रश्न 3. करोना जैसी महामारी से बचाव के लिए हमें किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

प्रश्न 4. यदि ग्रीन टी का एक पैकेट का एक व्यक्ति 20 दिन सेवन कर सकता है तो 10 व्यक्तियों को 40 दिन के लिए कितने पैकेट चाहिए?

प्रश्न 5. अगर 200 ग्रामग्रीन टी का एक पैकेट 75 रुपए में आता है तो 1.5 KG का पैकेट कितने रु में आएंगे?

- प्रवीन कुमार, प्रवक्ता, रा. क. उ. वि. बड़ाला, बॉस , हिसार।

प्रतिमान -33

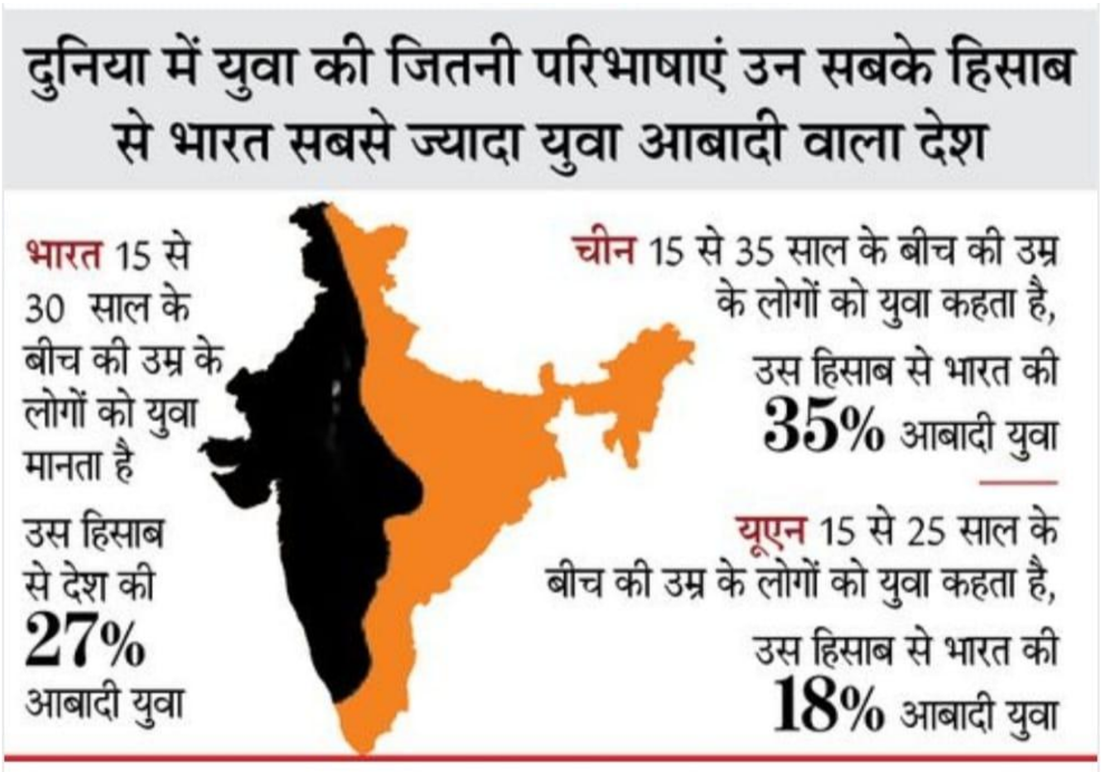

1. भारत को युवा शक्ति का देश क्यों माना जाता है

2. युवा वर्ग को नशे से बचाने के लिए किस प्रकार के कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है

3 जापान को बूढ़ों का देश कहा जाता है। क्यों ?

4. युवकों को आज किस प्रकार के मार्गदर्शन की आवश्यकता है ?

5. हरियाणा की जनसंख्या 2.5 करोड़ है। यदि कुल जनसंख्या में युवाओं का प्रतिशत 35% है तोहरियाणा में युवाओं की कुल जनसंख्या ज्ञात करो।

- डॉ ० अजय सिंह , प्रवक्ता, **जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मात्रशाम (हिसार)**

<u>उत्तरमाला :</u>

प्रतिमान -1

उत्तर-1 मुक्केबाज पवित्रा के जन्म के कारण

उत्तर-2 गुड़ व घी खाना

उत्तर-3 प्रवीण रुखसाना

उत्तर-4 पकिस्तान को हराया

उत्तर-5 -200

प्रतिमान -2

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 675

उत्तर-5 34000 रूपए

प्रतिमान -3

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 80 अध्यापक

उत्तर-5 66 अंक

प्रतिमान -4

उत्तर-1 दहेज़ प्रथा

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 नटखट

उत्तर-4 15 वर्ष

उत्तर-5 18 वर्ष

प्रतिमान -5

उत्तर-1 सुभद्रा कुमारी चैहान से

उत्तर-2 मृत्यु लोक

उत्तर-3 1350 रु

उत्तर-4 72.25

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -6

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 कच्चे फल

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 285 मिनट

प्रतिमान -7

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 पांच

उत्तर-3 (i)महेश

(ii)दिनेश

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -8

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 मस्ती आनंद का समय

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 126 वर्ष

उत्तर-5 बुधवार

प्रतिमान -9

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 10.12%

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -10

उत्तर-1 LPG

उत्तर-2 हरियाणा

उत्तर-3 LPG द्रव

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -11

उत्तर-1 २ वर्ष २ महीने लगभग

उत्तर-2 फरवरी 1945

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -12

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 961

उत्तर-5 20000 & 80000

प्रतिमान -13

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 चटाई

उत्तर-5 शनिवार

प्रतिमान -14

उत्तर-1 स्त्री और पुरुषों को समाज में बराबर दर्जा मिले और इन दोनों की बराबर संख्या हो

उत्तर-2 300

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 3500

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -15

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 KL सहगल की मृत्यु का समाचार

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 195 KM

उत्तर-5 80 वर्ग इकाई

प्रतिमान -16

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 20 सैकंड

प्रतिमान -17

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 40% कमी

प्रतिमान -18

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 20मिनट

उत्तर-4 63लीटर

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -19

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 खेतों तक सिंचाई के लिए

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 नाव-4.5 KM प्रति घंटा नदी की 2.5 प्रति घंटा

प्रतिमान -20

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 1.095

प्रतिमान -21

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 90 सेमी.

प्रतिमान -22

उत्तर-1 दिनकर, भास्कर

उत्तर-2 वाष्पीकरण

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 264 cm

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -23

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 1200

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -24

उत्तर-1 घ

उत्तर-2 4 मित्र

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -25

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 1630 cm

उत्तर-5 2120872

प्रतिमान -26

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 25% लाभ

उत्तर-5 252वर्ग मी.

प्रतिमान -27

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 6000

उत्तर-5 2240रु

प्रतिमान -28

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 8400 रू

उत्तर-5 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

प्रतिमान -29

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 4cm &3cm

उत्तर-5 10cm

प्रतिमान -30

उत्तर-1 भूस्खलन

उत्तर-2 मंसिनग्राम चेरापूंजी

उत्तर-3 राजस्थान

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 1 घंटा 57 मिनट

प्रतिमान -31

उत्तर-1 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 - 4 विज्ञान विषय, 28 कला विषय & 8 वाणिज्य विषय

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 6-14 वर्ष

प्रतिमान -32

उत्तर-1 अश्वगंधा ग्रीन टी/भारत

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 20 पैकट

उत्तर-5 562.50 रु

प्रतिमान -33

उत्तर-1 15-30 वर्ष के लोग 27% हैं

उत्तर-2 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 छात्र स्वयं विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 87लाख 50 हजार